

फीवर के साथ सर्दी-खांसी के मरीज बढ़े, बदलते मौसम में सावधानी बरतने की सलाह

जिला अस्पताल की ओपीडी 1000 पार!

हरिभूमि न्यूज़ ► छिन्दवाड़ा

बदलते मौसम के बीच जिले में वायरल फीवर का प्रकोप तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बड़ी संख्या में लोग तेज बुखार, शरीर में दर्द, अकड़न-जकड़न, गले में खराश और सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं से परेशान होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या एक हजार के पार पहुंचने से अस्पताल में भीड़ बढ़ गई है। डॉक्टरों को दिखाने से लेकर दवा लेने तक मरीजों को कतार में लगना पड़ रहा है।

इन दिनों मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। कभी तेज धूप तो कभी बारिश और उमस के कारण वातावरण में नमी बनी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार ऐसे मौसम में वायरल इंफेक्शन तेजी से फैल सकता है। इसका असर अस्पतालों की ओपीडी में भी दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतार देखने को मिल रही हैं। बुखार से पीड़ित मरीजों के साथ उनके परिजन भी अस्पताल पहुंच रहे हैं।

अस्पताल में बढ़ा मरीजों का दबाव

जिला अस्पताल की ओपीडी में बढ़ती मरीजों की संख्या से स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ा है। सुबह के समय अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के कक्ष के बाहर मरीजों की कतार और दवा वितरण केंद्र पर भीड़ बनी हुई है। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन के सामने मरीजों को समय पर जांच और उपचार उपलब्ध कराने की चुनौती भी बढ़ गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि मौसम में बदलाव को हल्के में न लें। पर्याप्त पानी पीएं, ताजा और पोष्टिक भोजन करें, साफ-सफाई का ध्यान रखें तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सक से परामर्श लें। खासकर तेज बुखार को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते उपचार लेना जरूरी है। बदलते मौसम में थोड़ी सी सावधानी बरतकर वायरल संक्रमण से बचाव किया जा सकता है।

तेज बुखार के साथ शरीर में दर्द

वायरल फीवर की चपेट में आने वाले मरीजों में तेज बुखार के साथ शरीर में दर्द, अकड़न-जकड़न, कमजोरी, गले में खराश, सर्दी और खांसी जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। कई मरीजों का कहना है कि बुखार के दौरान पूरे शरीर में दर्द होने के कारण रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो रहा है। बच्चों और बुजुर्गों में भी मौसमी संक्रमण को लेकर विशेष सतर्कता की जरूरत है। अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ओपीडी में एक हजार से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। मरीजों की भीड़ का दबाव पंजीयन काउंटर से लेकर चिकित्सकीय जांच और दवा वितरण केंद्र तक दिखाई दे रहा है। दवा लेने के लिए भी मरीजों को काफी देर तक कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है।

एक से दूसरे में फैलता है वायरस

चिकित्सकों के अनुसार वायरल संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है। यदि परिवार में रहने वाले अन्य सदस्य को वायरल फीवर है तो उसके संपर्क में रहने वाले अन्य लोगों को भी संक्रमण का खतरा रहता है। इसलिए बीमार व्यक्ति को पर्याप्त आराम देने के साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना जरूरी है विशेषज्ञों का कहना है कि वायरल संक्रमण से बचाव के लिए घर में साफ-सफाई रखने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और पोष्टिक भोजन करने पर ध्यान देना चाहिए। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना और जरूरत पड़ने पर मास्क का उपयोग भी संक्रमण के प्रसार को कम करने में मदद कर सकता है।



पानी और खानपान में लापरवाही से बढ़ता खतरा

बारिश के दिनों में दूषित पानी और खानपान में लापरवाही भी बीमारियों का बड़ा कारण बन सकती है। इस मौसम में लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। खुले में रखे खाद्य पदार्थों को सेवन से बचना चाहिए। घर में भोजन को ढककर रखना और फल-सब्जियों को अच्छी तरह धोकर इस्तेमाल करना जरूरी है। मौसम में बदलाव के दौरान बच्चों को भी विशेष सावधानी की जरूरत है। स्कूल जाने वाले बच्चों में सर्दी-खांसी या बुखार के लक्षण दिखाई देने पर उन्हें आराम देना और आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना बेहतर है।

खुद से दवा लेने से बचें

वायरल फीवर के लक्षण दिखाई देने पर कई लोग बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाइयां लेना शुरू कर देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा करने से बचना चाहिए। लगातार तेज बुखार रहने, कमजोरी बढ़ने, सांस लेने में परेशानी या अन्य गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश मौसमी वायरल संक्रमण में आराम, पर्याप्त तरल पदार्थ और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार से मरीज स्वस्थ हो जाते हैं। हालांकि लक्षण गंभीर होने पर जांच एवं उचित उपचार आवश्यक हो सकता है।

पिकअप को बनाया निशाना: CCTV में चोरी करते नजर आया संदिग्ध

हरिभूमि न्यूज़ ► चौरई

नगर में चोरी की बढ़ती घटनाओं ने व्यापारियों के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं छिंदवाड़ा रोड स्थित अनुराग ट्रेडर्स में महज एक सप्ताह के भीतर एक ही स्थान पर दो बार चोरी की वारदात सामने आई है। दुकान के सामने खड़ी पिकअप को चोर लगातार निशाना बना रहे हैं।

जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले पिकअप से स्टेपनी चोरी की गई थी। इसके बाद बीती रात चोरों ने दोबारा उसी वाहन को निशाना बनाते हुए उसका एक टायर खोलकर चोरी कर लिया चोरी की पूरी घटना दुकान के CCTV कैमरे में कैद हुई है, जिसमें एक संदिग्ध वाहन से टायर खोलकर ले जाता दिखाई दे रहा है घटना की शिकायत पुलिस से की गई है। पुलिस मामले



की जांच में जुटी है और CCTV फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया गया है हालांकि एक ही स्थान पर लगातार दूसरी बार चोरी होने से व्यापारियों में नाराजगी है।

नगर में लगे सीसीटीवी कैमरे, लेकिन फुटेज के नाम पर खाली हाथ

भारत माता चौकदुकान संचालक चंद्रकांत वर्मा ने बताया कि नगर की सड़कों और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, लेकिन कई कैमरे वर्तमान में काम नहीं कर रहे हैं ऐसे में चोरी की घटना होने के बाद भी पुलिस और आमलोगों को सीसीटीवी फुटेज से कोई खास मदद नहीं मिल पा रही है अनुराग वर्मा का कहना है कि इतने बड़े नगर में लोगों की सुरक्षा के लिए लगाए गए कैमरे ही यदि काम नहीं करेंगे तो फिर इनका उद्देश्य क्या है नगर पालिका द्वारा लगाए गए इन कैमरों के रखरखाव और नियमित निगरानी की जिम्मेदारी आखिर किसकी हैएक तरफ चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के बंद होने की बात सामने आने से व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं अब सवाल यह भी है कि क्या नगर पालिका की जिम्मेदारी केवल कैमरे लगाने तक है या उनकी नियमित देखरेख और चालू स्थिति सुनिश्चित करना भी उसकी जिम्मेदारी है जब नगर के व्यापारियों और नगरवासियों का कहना है कि चोरी की घटनाओं पर पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने के साथ-साथ नगर में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर उन्हें दुरुस्त कराया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में होने वाली घटनाओं में पुलिस को ठोस सुराग मिल सके।

सीसीटीवी को लेकर पार्श्व ने दिया आश्वासन

वार्ड क्रमांक 12 की पार्श्व फरजाना शाहिद मंसूरी ने कहा कि नगर में सुरक्षा व्यवस्था की मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जल्द ही नगर पालिका परिषद की बैठक में सीसीटीवी कैमरों से संबंधित मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। साथ ही पूरे चौरई नगर में आवश्यक स्थानों पर नए सीसीटीवी कैमरे लगवाने और बंद पड़े कैमरों को दुरुस्त कराने के लिए प्रयास किए जाएंगे ताकि चोरी जैसी घटनाओं पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके और जरूरत पड़ने पर पुलिस को भी जांच में मदद मिल सके।

पनीर, चीज एवं काबुली चना के नमूने जांच के लिए भेजे, पुराने खाद्य पदार्थ कराए गए नष्ट

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरदेव नारायण के निर्देशन एवं अपर कलेक्टर श्री धीरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जिले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा दल द्वारा सतत निरीक्षण, निगरानी एवं नमूना संग्रहण की कार्यवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा बुधवार को होटल देव इंटरनेशनल, सत्कार रेस्टोरेन्ट एवं होटल सत्कार इंटरनेशनल के रेस्टोरेन्ट परिसर, स्टोरे एवं किचन का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान होटल देव इंटरनेशनल से खाद्य पदार्थ पनीर एवं चीज के नमूने लिए गए। साथ ही डोसावेटर एवं सलाद पुराने होने के कारण उनका विनष्टीकरण कराया गया तथा स्टोरे की साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। सत्कार रेस्टोरेन्ट से पनीर एवं काबुली चना के नमूने लिए गए। वहीं होटल सत्कार इंटरनेशनल के निरीक्षण के दौरान प्रॉजैजर में दो-तीन दिन पुराना सना मक्का एवं प्याज गेवरी रखी पाए जाने पर उसे हटवाया गया। सभी लिए गए नमूनों की जांच के लिये भोपाल प्रयोगशाला प्रेषित किया गया है। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार विभाग द्वारा कार्यवाही की जाएगी। तीनों प्रतिष्ठानों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने तथा निर्देशों का पालन करने के लिये नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

पेंशन तो डली पर किसी अन्य खाते में बुजुर्ग हितग्राही हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज़ ► परासिया

वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। महीनों से इंतजार कर रहे बुजुर्गों को पेंशन उनके खाते में न जाकर किसी अज्ञात खाते में ट्रांसफर हो रही है। महीनों के इंतजार और शिकायत आंदोलनों के बाद पेंशन आई वह भी हितग्राही के हाथ नहीं लग रही है। हितग्राही बैंक और नगर पंचायत के चक्कर काट रहे हैं।

न्यूटन नगर पंचायत के अंतर्गत विधवा, वृद्धा और विकलांग पेंशन के हितग्राहियों में अधिकांश हितग्राहियों के बैंक खाते स्टेट बैंक न्यूटन में हैं, जहां उनके खातों में पेंशन आती रही है। इन हितग्राहियों में कुछ ऐसे हितग्राही भी हैं, जिनका खाता स्टेट बैंक के अलावा

अन्य निजी बैंकों में भी है। इनमें से कुछ हितग्राही शिकायत कर रहे हैं, की उनके खाते में पेंशन नहीं है। इनमें ज्यादातर महिला हितग्राही हैं, जो स्टेट बैंक में पेंशन निकलने पहुंची तो पता चला, कि उनके खाते में पेंशन की राशि आई ही नहीं। जिसके बाद वे नगर पंचायत पहुंची जहां उन्हें पता चला, कि उनकी पेंशन नियमित आ रही है, लेकिन वह पेंशन उनके दूसरे खाते में जा रही है। वार्ड 12 में रहने वाली एक हितग्राही श्रीमती गढ़वाल की पेंशन हमेशा स्टेट बैंक में आती थी, इस बार एच डी एफ सी बैंक चली गई। एक अन्य न्यूटन नंबर 9 में रहने वाली हितग्राही असमरी बानो की पेंशन भी पहले स्टेट बैंक में आती थी, लेकिन पिछले 4 महीनों से फिनों बैंक में जा रही है।

समूह लोन के चक्कर में खुले खाते

पेंशन हितग्राहियों के पास एक से अधिक खाते होने का एक कारण यह सामने आया है, कि समूह लोन लेने के लिए कई महिलाओं ने अन्य निजी बैंकों में खाता खुलावा और आधार से लिंक करवा रखा है। क्या है समाधान :- इस सम्बन्ध में न्यूटन स्टेट बैंक प्रबंधक सुरेंद्र झाड़े से बात हुई तो उन्होंने बताया, कि ऐसे खाता धारक जिनका खाता यहां भी है और अन्य बैंकों में भी है, और उनकी पेंशन यहां खाते में नहीं आ रही है और वे यह चाहते हैं, कि उनकी पेंशन यहीं आए तो उन्हें चाहिए की वे बैंक आवर अपनै खातों की एन पी सी आई करा लें, तो अगली बार उनकी पेंशन यहीं उनके खाते में फिर से आने लगेगी।

गौवंश तस्करी पर शिकंजा कसने की मांग

आय से अधिक संपत्ति की जांच के लिए कलेक्टर-एसपी को सौंपा ज्ञापन



हरिभूमि न्यूज़ ► पांडुर्णा

गोवंश तस्करी के चर्चित मामले में पिरे आरोपी भूषण इंगोले और उसके परिवार की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बुधवार दोपहर सनातन समर्थकों ने उन रख अपनाते हुए आरोपी भूषण और उसके पिता की

कमाई के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बड़ी संख्या में एकत्र हुए सनातन समर्थकों ने शहर में रैली निकालकर इंगोले परिवार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

उच्चस्तरीय जांच की मांग

कलेक्टर वीरज कुमार वशिष्ठ और एडिशनल एसपी मनोकामना प्रसाद को सौंपे गए ज्ञापन में सनातन समर्थकों ने आरोप लगाया कि गोवंश तस्करी में लिप्त इंगोले परिवार ने अवैध गतिविधियों के जरिए बेहिसाब और आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। समर्थकों ने बताया कि आरोपी परिवार के पास कई कीमती वाहन और बेनामी संपत्तियां मौजूद हैं, जिनके आय के वास्तविक स्रोतों का खुलासा होना बेहद जरूरी है। इस मौके पर प्रशासन से मांग की गई है कि एक उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर इंगोले परिवार की सम्पत्ति चल-अचल संपत्तियों की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए।

हरिभूमि न्यूज़ ► तामिया

जनपद पंचायत तामिया की दूरस्थ ग्राम पंचायतों में सचिवों की लगातार अनुपस्थिति और कथित मनमानी से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि सचिवों के नियमित पंचायत कार्यालय नहीं पहुंचने के कारण जहां ग्रामीणों के पंचायती कार्य प्रभावित हो रहे हैं, वहीं विकास एवं निर्माण कार्यों की निगरानी भी जांच नहीं हो पा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जनपद पंचायत के अधिकारी भी पंचायत कार्यालयों और निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण नहीं करते।



पातालकोट क्षेत्र की ग्राम पंचायत कारेआम, रातेड, हरा और कछार में पदस्थ सचिवों के नियमित रूप से पंचायत मुख्यालय नहीं पहुंचने की शिकायतें सामने आई हैं।

तामिया में पहुंचा हाथी, ग्रामीणों में दहशत

राजथारी में हाथी की मौजूदगी से मचा हड़कंप, वन अमला लगातार कर रहा निगरानी

हरिभूमि न्यूज़ ► हरई

तामिया विकासखंड के ग्राम राजथारी क्षेत्र में जंगली हाथी दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथी की सूचना मिलते ही तामिया वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई और उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। आसपास के क्षेत्रों में भी ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

जानकारी के अनुसार हाथी अमरवाड़ा के चनरी क्षेत्र से होते हुए तामिया के राजथारी की ओर पहुंचा है। इसके बाद हाथी खेतों से होकर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान मक्का, भुट्टा सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। हालांकि अभी तक हाथी द्वारा किसी व्यक्ति पर हमला करने अथवा जनहानि की कोई सूचना नहीं है।



हाथी के गांव के आसपास दिखाई देने के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीण बड़ी संख्या में खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं। वन विभाग की टीम हाथी की लोकेशन पर नजर रखते हुए उसके सुवर्णरे को ट्रैक कर रही है, ताकि वह आबादी वाले क्षेत्र में प्रवेश न करे। तामिया रेंजर के नेतृत्व में वन अमला क्षेत्र में निगरानी कर रहा है। साथ ही परासिया वन विभाग की टीम को भी सूचना दी गई है। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि हाथी के नजदीक जाने, उसे घेरने या फोटो-वीडियो बनाने के लिए पीछा करने का प्रयास न करें। वन अमले के अनुसार फिलहाल हाथी खेतों और जंगल के आसपास से गुजरते हुए आगे बढ़ रहा है। विभाग की प्राथमिकता हाथी को सुरक्षित तरीके से आबादी से दूर रखना और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वन विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में गश्त कर हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

बेखौफ हो रही कोयला तस्करी!

कोयलांचल में ट्रक से ट्रैक्टर में भरा जा रहा कोयला

हरिभूमि न्यूज़ ► परासिया

कोयलांचल में अवैध कोयला तस्करी को रोक पाना आसान नहीं दिख रहा है। बंद कोयला खदानों से अवैध रूप से कोयला निकाल कर बोरियो और ट्रैक्टर के माध्यम से कोयला तस्करी के मामले सामने आते रहते हैं, लेकिन अभी जो ताजा मामला है, वह कुछ और ही बयां कर रहा है। जो तस्वीर दिख रही है उसमें एक ट्रक से कोयला ट्रैक्टर में भरा जा रहा है। जिससे यह मामला किसी बड़े खेल की तरफ इशारा कर रहा है।

यह ताजा मामला गाँगीवाड़ा के समीप बरंगा में रेलवे लाइन से लगे एक खेत का है। जहाँ एक कोयले से भरा ट्रक और दो ट्रैक्टर के माध्यम से कोयला इधर से उधर किया जा रहा था। कुछ लोग जब वहां पहुंचे और वीडियो बनाने लगे तब ट्रक से ट्रैक्टर में कोयला भर रहे लोबर और निगरानी कर रहे लोगों ने वीडियो बना रहे लोगों को धमकाया और



उन्हें वहां से भगा दिया। वीडियो में दिख रहा है, कि कोयला ट्रक में भरा हुआ है, जिसे ट्रैक्टर में भरा जा रहा है। ट्रक भर कोयला यह दर्शा रहा है, कि यह ट्रक सीधे किसी न किसी कोयला खदान से भरकर निकला होगा। यदि यह सच है, तो कोयला प्रबंधन और और उनके पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

क्योंकि अब तक बंद कोयला खदानों से कोयला चोरी रोकने के लिए वेकोलि प्रबंधन और पुलिस

प्रशासन की ओर से कई जतन किए गए। वहीं चालू खदानों के अंदर से कोयला चोरी न हो इसके लिए सी आई एस एफ की तैनाती कराई गई है।

बावजूद इसके इन सब सुरक्षा व्यवस्थाओं को धता बताते हुए अवैध रूप से ट्रक भर कोयला इधर से उधर हो रहा है। जो पूरे सिस्टम की पोल खोल रहा है। इसके पीछे किसी बड़ी ताकत के होने को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल

ग्रामीणों ने पंचायत में हुए निर्माण कार्यों की लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पंचायत भवन और मक़रेगा के तहत छिंदी में बनी पुलिस के निर्माण में ठेका प्रथा का सहारा लिया गया तथा कार्य इसके कंस्ट्रक्शन को दिया गया। ग्रामीणों का दावा है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। पंचायत भवन में एक कॉलम कम बनाए जाने का आरोप भी लगाया गया है। बिलों की जांच से सामने आ सकती है हकीकत।ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण सामग्री की खरीदी स्थानीय हाउटेयर एवं निर्माण सामग्री दुकानों से करने के बजाय ठेकेदार के नाम से भुगतान किया गया। बिलों में रेत और गिट्टी की दर समान दर्शाए जाने को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि पंचायत में कराए गए सभी निर्माण कार्यों, भुगतान किए गए बिलों, खरीदी गई सामग्री और उसकी गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराई जाए। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच होने पर निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं और वित्तीय गड़बड़ियों की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

निर्विरोध चुनी थी। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव ब्रजपाल भलावी पिछले करीब चार वर्षों से पंचायत में नियमित रूप से

उपस्थित नहीं होते। इससे पंचायत बनने के बाव भी ग्रामीणों को पूर्व की तरह ही अपने कामों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

कलेक्टर ने लगाया चंडी माता का जयकारा

विश्वप्रसिद्ध गोटमार मेला पांडुर्णा की पहचान और स्वाभिमान है गरिमा टूटने पर प्रशासन अपना काम करेगा - कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज▶▶छिंदवाड़ा

आगामी 11 सितंबर शुक्रवार को यहां संपन्न होने जा रहे विश्वविख्यात गोटमार मेला आयोजन के पूर्व आज शांति समिति की बैठक लक्ष्मी स्मृति भवन में संपन्न हुई। मेले को लेकर आमजनों से सुझाव लेने के बाद कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि, गोटमार मेला आस्था और विश्वास से भरपूर परंपरागत रूप से मनाया जाना चाहिए।

यह मेला पांडुर्णा की पहचान और स्वाभिमान है। प्रशासन मेले को परंपरागत ढंग से मनाए जाने में जनता को पूरा सहयोग देगा। लेकिन जब मेले की गरिमा टूटंगी तो प्रशासन अपना काम करेगा। गोफन चलानेवालों पर इस बार निश्चिंत रूप से कार्रवाई होगी, और इन तत्वों पर हर बड़े त्यौहार के पूर्व प्रतिबंधात्मक एक्शन लिया जाएगा। प्रत्येक शुक्रवार को पांडुर्णा में आयोजित होने वाले हाट-बाजार को आज की बैठक में आगामी 8 सितंबर दिन मंगलवार को आयोजित किए जाने का निर्णय



लिया गया है। आज की बैठक में विधायक निलेश उईके, एसपी प्रकाशचंद्र, एडिशनल एसपी मनकामना प्रसान, जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड़, नगरपालिका अध्यक्ष संदीप घाटोड़े, अपर कलेक्टर ज्योति ठाकुर, ज्वाइंट कलेक्टर नेहा सोनी, एसडीएम अलका एक्का, एसडीओ पुलिस ब्रजेश भागव, सीएमओ हेमेश्वरी पटेल, नगरमंडल अध्यक्ष बंटी छगानी, नपा उपाध्यक्ष ताहीर पटेल, प्रतिपक्ष नेता सुरेश सुरजसे, थाना प्रभारी अमीत

दानी के अलावा अधिकांश विभागों के अफसर शामिल रहे।

विधायक निलेश उईके ने विश्वास व्यक्त किया कि, पांडुर्णा के नागरिक अपने शहर का मान सम्मान कायम रखते हुए गोटमार मेले का शांतिपूर्वक आयोजन करेंगे। नगरपालिका अध्यक्ष संदीप घाटोड़े ने कहा कि, हमारे शहर का यह एक ऐसा मेला जिससे पांडुर्णा को पूरे विश्व में जाना जाता है। इसलिए मेले को सलीके और उचित ढंग से मनाएं। ऐसी कोई हरकत ना

करे जिससे पांडुर्णा की ऐतिहासिक परंपरा को दाग लग जाए। इन्होंने आमजनों से अपील की कि, मेले दिन जब झंडा नहीं टूटता है तो नगरपालिका का दल सूर्यास्त के बाद समझौते के रूप में झंडा निकालकर लाता है।

पार्षद उमेश उरकडे ने कहा कि प्रशासन गोफन चलानेवालों पर सख्त कार्रवाई की हमेशा बात करता है, जिस पर कभी अमल नहीं होता। यदि हर वर्ष 2-4 गोफन चलानेवालों पर कार्रवाई होती रहे तो लोग गोफन नहीं चलाएंगे। जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड़ ने कहा कि, पांडुर्णा के नागरिक अपनी संस्कृति और सद्भाव का परिचय देते हुए गरिमामयी ढंग से गोटमार मेला मनाएंगे। सुरेश कावले ने कहा कि, प्रशासन को सहयोग करना चाहिए लेकिन कभी कभी प्रशासन जरूरत से जादा दबाव बनाता है। हमेशा इस मौके पर आम नागरिक इस कार्य में बीच में ना आए, नगरपालिका अपना काम करने दे। नपा उपाध्यक्ष ताहीर पटेल ने कहा कि, 25-30 बरस पूर्व गोटमार मेले का सुंदर स्वरूप था।

संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

हरिभूमि न्यूज▶▶जुन्नारदेव

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला हलषष्ठी का पावन पर्व नगर में बुधवार 02 सितंबर को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। नगर के वार्ड क्रमांक 02 में माताओं ने अपनी संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए दिन भर निर्जला उपवास रखा। शाम के समय पूजा-अर्चना के बाद पारंपरिक हरचट व्रत कथा का श्रवण किया गया।महिलाओं ने घर



के आंगन पर गोबर से प्रतीक रूप में महुआ की शाखा, पलाश और कांस की झाड़ियों को रोपकर हरछठ माता की स्थापना की इसके बाद हरछठ

छह प्रकार की सब्जियां अर्पित की गईं। पूजा के दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से हरचट की पावन पौराणिक कथा का श्रवण किया। कथा सुनने के बाद माताओं ने अपने बच्चों को महुआ के पत्ते से जल छिड़ककर आशीर्वाद दिया और उनकी दीर्घायु की कामना की। इस दौरान वार्ड की मंजू पांडे, पूनम डेहरिया, सरिता नागले, अनीता खोबरे संगीता डेहरिया, बबीता चौबे, पूजा मालवीय, पूर्णिमा पंडोले, पूजा राजपूत, रीना नागले आदि मौजूद रहे।

श्रद्धा के साथ मनाया हरछठ पर्व, माताओं ने की संतान की दीर्घायु की कामना

हरिभूमि न्यूज▶▶सौसर

.शहर के वार्ड क्रमांक 14 में कांग्रेस नेता श्याम ठाकुर के निवास पर बुधवार को हरछठ (हलषष्ठी) का पावन पर्व धार्मिक आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकत्रित होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मंगलकामना



की। आयोजन में भगवान बलराम को समर्पित इस पर्व पर महिलाओं

ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हरछठ माता की पूजा की। इस

दौरान कथा श्रवण और मंगलगीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर संतानों के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की। इस धार्मिक आयोजन में मंदा दीक्षित, नलु बाई ठाकरे, रानु ठाकुर, रिंतु दीक्षित, शीतल ठाकरे, आशा गड्डेकर, निकिशा शर्मा, चंचल श्रीखंडे, सीमा राजपूत, शोभा ठाकुर, माया कांडलकर और अनिता दीक्षित सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कलश वंदन यात्रा का सौसर में हुआ भव्य स्वागत

सौसर। बुधवार को पांडुर्णा जिले की सौसर विधानसभा क्षेत्र में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर 'कलश वंदन यात्रा एवं समरसता संकरप अभियान' शुभारंभ किया,सौसर नगर में प्रदेश करते ही विभिन्न प्रमुख स्थलों पर यात्रा का अरंभत भव्य और उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया।यात्रा के दौरान सिविल लाइन स्थित विठ्ठल मंदिर, हनुमान मंदिर, डॉ बाबासाहेब अंबेडकर चौक, छत्रपति चौक, नगर पालिका सौसर, बाजार चौक तथा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यापर्ण और विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके उपरांत यात्रा बेरडी और रामपेट पहुंची, जहां स्थानीय नागरिकों द्वारा इसका जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड़, जिला अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष खेमराज सोनेकर, राजेंद्र भक्ते, संजय बागडे, गोरेश्वर मर्सकोले,सौसर मंडल अध्यक्ष दर्शन झाड़े, यात्रा प्रमारी परसराम रावे, आशीष चांदक,नरेंद्र कुकडे, संजय बागडे,सुरभीमान चिकटे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्री राजेंद्र भक्ते ने विस्तृत जानकारी देते हुए संत रविदास जी के जीवन और उनके विचारों पर प्रकाश डाला।मिली जानकारी के अनुसार बुधवार से शुरू हुई कलश वंदन समरसता संकरप अभियान 9 सितंबर तक चलेगा। जिसमें 3 सितंबर को कुडम रामाकोला, 5 सितंबर को देवी, ठोडकोट व घोट्टी, तथा 6 सितंबर को तिनखेड़ा, बीरगांव, लोधीखेड़ा और रंजारी पहुंचेंगे।17 सितंबर को पीपला नारायणवार बागबाकोड़ा 8 सितंबर को गंगतवाड़ा पदरखेड़ी का भ्रमण करेंगी।

गणेश किराना बिसोनी के संचालक

गणेश सोनवाने का निधन

62 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस, लंबे समय से चल रहे थे बीमार; आज बिसोनी मोक्षधाम में होगा अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज लांजी।

गणेश किराना बिसोनी के संचालक गणेश पिता झनकलाल सोनवाने, उम्र लगभग 62 वर्ष, का बुधवार 2 सितंबर को शाम करीब 4 बजे निधन हो गया। वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और उपचार के दौरान उनका निधन हो गया।गणेश सोनवाने के निधन की खबर मिलते ही बिसोनी सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके परिचितों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों एवं व्यापारी बंधुओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत



आत्मा की शांति तथा शोकानुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।परिजनों के अनुसार, गणेश सोनवाने का अंतिम संस्कार गुरुवार 3 सितंबर को दोपहर 12 बजे बिसोनी स्थित मोक्षधाम में किया जाएगा। अंतिम यात्रा में परिवारजनों, रिश्तेदारों, मित्रों एवं शुभचिंतकों के शामिल होने की संभावना है।ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति दें।

जर्जर सड़क एवं पुल का शीघ्र हो निर्माण

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।



रोज इस परेशानी से गुजरना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में पुलिया, पानी से भर जाने के कारण वहाँ का आवागमन बंद हो जाता है, जिससे ग्रामीणजन, मरीज, छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जावेद अली ने बताया कि इस सड़क मार्ग व पुलिया निर्माण को लेकर उन्होंने कलेक्टर बालाघाट , जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग अधिकारी भरत सिंह अडमें एवं ब्रिज कार्पोरेशन (सेतु विभाग) अधिकारी SDO अर्जुन सनोडिया से मुलाकात कर पत्र सौंपकर निवेदन किया है कि

ग्रामीणों और विद्यार्थियों की परेशानी को देखते हुए तत्काल प्रभाव से क्षतिग्रस्त पुलिया एवं सड़क का निर्माण करवाया जाना अति आवश्यक हो गया है।

उन्होंने बताया कि कलेक्टर बालाघाट एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया है कि सड़क व पुलिया निर्माण के कार्य को जल्द से जल्द स्वीकृत करवा कर रोड़ एवं पुलिया का निर्माण कार्य चालू किया जाएगा। इस दौरान उनके साथ प्रदेश सचिव राकेश सिंधारे, जिला सचिव अरशद कुरैशी, राजेश कोलते व अन्य साथी उपस्थित रहे।

भाद्रपद कृष्ण षष्ठी पर घर-घर गूंजे ललही देवी के जयकारे, महिलाओं ने दिनभर रखा

व्रत; संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की मांगी कामना

पुत्रों की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए माताओं ने रखा हलषष्ठी व्रत, लांजी में विधि-विधान से हुई ललही छठ की पूजा

हरिभूमि न्यूज लांजी।। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला पवित्र हलषष्ठी व्रत बुधवार, 2 सितंबर 2026 को लांजी सहित देशभर में श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। क्षेत्र में इस पर्व को ललही छठ, हलछठ, हलषष्ठी और भादौ छठ के नाम से भी जाना जाता है। पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। माताओं ने अपनी संतानों की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर व्रत रखा और ललही देवी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।लांजी नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर नए वस्त्र धारण कर पूजन की तैयारियां में जुट गईं। महिलाओं ने पूजन सामग्री एकत्रित की और निर्धारित पूजा स्थल पर पहुंचकर सामूहिक रूप से ललही देवी का पूजन किया। कई स्थानों पर

महिलाओं ने एक साथ बैठकर व्रत कथा का श्रवण किया और संतान की मंगलकामना के लिए भगवान बलराम एवं छठ माता का स्मरण किया।

हलषष्ठी के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक विधि के अनुसार पूजन किया। पूजन के लिए चना, अरहर, गेहूं, जौ, जौधरी, चावल तथा धान के भूने हुए दाने सहित विभिन्न पूजन सामग्री को मिट्टी के कुहवे में रखा गया। इसके बाद पूजन स्थल पर मिट्टी से संबंधित पारंपरिक व्यवस्था तैयार की गई।महिलाओं ने पूजा स्थल पर बनाए गए गड्डे में जल भरकर ललही देवी का विधि-विधान से पूजन किया। पूजन के दौरान देवी को पारंपरिक सामग्री अर्पित की गई तथा परिवार एवं संतान की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की गई। पूजा संपन्न होने के बाद गड्डे के जल से पुत्रों का मुंह धोकर आंचल से पोंछने की परंपरा भी महिलाओं द्वारा निभाई गई।मान्यता है कि हलषष्ठी के दिन श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर ललही देवी का विधि-विधान से पूजन करने से संतान पर अपने वाले संकट दूर होते हैं और पुत्रों को दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी धार्मिक आस्था और विश्वास के साथ महिलाओं ने पूरे दिन व्रत रखकर संतान के मंगलमय जीवन की कामना की।



धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हलषष्ठी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम से भी जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि भगवान बलराम का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को हुआ था। भगवान बलराम का प्रमुख अस्त्र हल माना जाता है, जिसके कारण इस पर्व को हलषष्ठी कहा जाता है।इसी वजह से इस दिन हल उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी नियमों का विशेष महत्व माना जाता है। माताएं इस व्रत को अपनी संतानों की रक्षा, दीर्घायु और समृद्धि के लिए करती हैं।

दस्तावेजों और सबूतों के साथ वारासिवनी पुलिस थाना में की शिकायत, आरोपी पर कार्यवाही की मांग

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का आरोप

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

जिले में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित रूप से लाखों- करोड़ों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वारासिवनी वार्ड नंबर 3 निवासी ब्रजकिशोर ठाकरे ने लालबर्ग-अमोली निवासी सुमित वृषिक के विरुद्ध पुलिस थाना वारासिवनी में लिखित शिकायत प्रस्तुत कर उस पर लगभग एक करोड़ रूपए की ठगी का आरोप लगाया है। इन आरोपों के संबंध में उसके द्वारा वाट्सअप चैट, बैंक स्टेटमेंट, ट्रांजैक्शन, पीडिट व्यक्तियों की सूची, ऑनलाइन भुगतान रिकॉर्ड, कोल रिकॉर्डिंग सहित अन्य दस्तावेज भी पुलिस को सौंपे हैं।

शिकायत में दावा किया गया है कि सरकारी एवं आउटसोर्स नौकरियों में नियुक्ति दिलाने का

झांसा देकर वर्षों तक बेरोजगार युवाओं और उनके परिवारों से बड़ी रकम वसूली गई, लेकिन अधिकांश मामलों में न तो नौकरी मिली और न ही राशि वापस की गई।

ब्रजकिशोर ठाकरे का कहना है कि वह स्वयं इस पूरे प्रकरण का सबसे पहले शिकार बना। सहारा इंडिया में ऑडिटर के रूप में कार्यरत रहने के दौरान सेबी की कार्रवाई के बाद उसकी नौकरी चली गई थी। आर्थिक संकट के इसी दौर में उसकी मुलाकात सुमित वृषिक से हुई, जिसने बड़े अधिकारियों और नेताओं से संपर्क होने का दावा करते हुए विभिन्न विभागों में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया।शिकायत अनुसार पहले स्वयं ब्रजकिशोर ठाकरे से विभिन्न नौकरियों के नाम पर रकम ली गई। कुछ लोगों को आउटसोर्स पदों पर कार्य मिलने से उसका विश्वास और बढ़ा। इसके



बाद उसने अपने परिचित बेरोजगार युवाओं की फाइलें भी उसके पास भेजना शुरू कर दीं।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कई युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए, वेरिफिकेशन और चयन की प्रक्रिया बताई गई, लेकिन समय बीतने के बाद अधिकांश नियुक्तियां नहीं हुईं। जब लोगों ने पैसा वापस मांगा तो शुरु किया तो कथित रूप से बहानेबाजी और टालमटोल का दौर शुरू हो गया। कई मामलों में कथित

नियुक्ति पत्रों की सत्यता पर भी सवाल खड़े हुए।

ब्रजकिशोर का कहना है कि जिन लोगों ने उसके माध्यम से राशि जमा की थी, उन्होंने पैसा वापस मांगने के लिए उस पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। सामाजिक प्रतिष्ठा बचाने और लोगों का विश्वास कायम रखने के लिए उसने अपनी माता की जमा पूंजी, परिवार के जेवर और निजी संपत्ति तक बेच दी। उसकी बहन ने भी ऋण लेकर मदद की। शिकायतकर्ता के अनुसार अब तक लगभग 40 लाख रुपये लोगों को अपनी ओर से लौटाए जा चुके हैं।

इनका कहना है..

प्राथी द्वारा शिकायत की गई है, जिसकी जांच करने के बाद विधिवत कार्यवाही की जाएगी।

अनूप कुमार उइके थाना प्रभारी वारासिवनी।

धूमधाम से मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टनी



छिंदवाड़ा। परासिया रोड स्थित ईशा नगर में एक प्रायवेट स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल के नन्हें मुन्ने बच्चों ने श्रीकृष्ण और राधा की वेशभूषा धारण की। श्रीकृष्ण की वेशभूषा धारण किए हुए दैविक सातपुते एवं अन्य नन्हें विद्यार्थी।

खबर संक्षेप

आज कैपस प्लेसमेंट
ड्राइव आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), सिवनी द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय आईटीआई कैपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट ड्राइव महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, इगतपुरी, नासिक, महाराष्ट्र के माध्यम से 03 सितंबर 2026, गुरुवार को प्रातः 10:30 बजे से प्रादकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, छिडिया पलारी, चुना भट्टी, सिवनी में आयोजित होगी। प्लेसमेंट ड्राइव में आईटीआई के विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को कंपनी में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इसमें एनसीवीटी एएससीवीटी से आईटीआई उत्तीर्ण अथवा परीक्षा परिणाम प्रतीक्षित अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। प्लेसमेंट के लिए फिट्टर, टर्नर, मोटर मैकेनिक, दीजल मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, कोपा एवं प्लंबर ट्रेड के अभ्यर्थी पात्र होंगे।

कन्या महाविद्यालय में बलराम जयंती मनाई गई
हरिभूमि न्यूज सिवनी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. ओम प्रकाश सरवैया एवं कार्यक्रम प्रभारी रामदीन भलावी के नेतृत्व में आज दिनांक 02.09.2026 को बलराम जयंती मनाई गई। श्री भगवान बलराम जयंती के फोटो पर दीप प्रज्वलित कर पूजन अर्पन कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

वनस्पति शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. रामदीन भलावी ने भगवान श्री बलराम जी की जयंती के पानवन अवसर पर व्याख्यान दिया और कहा यह दिन हमारे लिए श्रद्धा, संस्कृति और प्रेरणा का प्रतीक है। भगवान बलराम जी को भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई के रूप में जाना जाता है। वे शक्ति, पराक्रम, धैर्य और सादगी के प्रतीक माने जाते हैं। उनका प्रमुख शस्त्र हल था, इसलिए उन्हें हलधर और हलायुध भी कहा जाता है। भगवान बलराम जी का जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव सत्य, धर्म और समाज के कल्याण के लिए करना चाहिए। वे किसानों और कृषि से भी जुड़े हुए माने जाते हैं।

पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण बैच का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले की प्रतिभावान एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा ‘सिवनी की उड़ान’ अभिनव पहल प्रारंभ की गई है। पहल के माध्यम से प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, ‘सिवनी की उड़ान’ के प्रथम चरण में पुलिस भर्ती प्रतियोगी परीक्षा को लक्ष्य बनाकर 1 सितम्बर से जिला मुख्यालय सिवनी स्थित प्रशिक्षण केंद्र में लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए प्रशिक्षण बैच शुभारंभ किया गया है। प्रथम दिवस चर्चनीय युवतियों में से 116 युवतियों का संयुक्त रूप से ओरिएंटेशन आयोजित किया गया। इसके बाद प्रशिक्षण करीबन 60-60 युवतियों के बैच में नियमित रूप से संचालित किया जाएगा।

ग्रामीण आदिवासियों ने किया चुनाव बहिष्कार का ऐलान

पांडिया छपारा (उगली)। जनपद पंचायत केवलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत बनाथर के अधीनस्थ आने वाले वनांचल के दो आदिवासी ग्राम गुरेरा माल और गुरेरा रैयत के ग्रामीणों ने आगामी समस्त चुनाव विधानसभा, लोकसभा और ग्राम पंचायत चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया है।

ग्रामीणों का कहना है, कि पांडिया छपारा से गुरेरा माल और गुरेरा रैयत जाने वाले मार्ग पर धनई नदी पड़ती है, जो कि बरसात के समय लगभग चार माह के लिए ग्रामीणों का आवागमन अवरुद्ध हो जाता है, क्योंकि इस नदी पर आजादी के 80 वर्ष बीत जाने के बाद भी पुल का निर्माण नहीं हो पाया है, जिससे हायर सेकेंडरी स्कूल पांडिया छपारा में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण मुख्य धारा से कट जाते हैं, जिससे ग्रामीणों को अत्यधिक परेशानियों का सामना जिसमें प्रमुख स्वास्थ्य,शिक्षा, उपचार,भोजन तथा कृषकों को खाद, बीज, हाट बाजार आदि के लिए अत्यधिक



कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। अनेकों बार नदी पार करते समय विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।जान जोखिम में डालकर ग्रामीण और बच्चे नदी पार करते हैं, जिससे उनके जान माल का अनेको बार जोखाम भरा सफर करते नजर आते है। विदित हो कि इसी ग्राम में दूटी बाँध जलाशय जो (ब्रिटिश गवर्नमेंट) अंग्रेजों के जमाने का निर्मित है, जो कि पर्यटन के दृष्टिकोण से आकर्षण का केंद्र और पर्यटन स्थल है, जहाँ प्रतिवर्ष मकर संक्रांति,

पलारी में रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह, 140 यूनिट रक्तदान कर युवाओं ने दिया मानव सेवा का संदेश

सिवनी। जिले में स्वैच्छक रक्तदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के तत्वावधान में चलाए जा रहे वृहद रक्तदान अभियान के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। युवा इकाई अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा, जिला सिवनी के सहयोग से आयोजित शिविर में युवाओं एवं नागरिकों ने बड़-चढ़कर सहभागिता निभाते हुए 140 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में सुबह से ही रक्तदान के लिए दानदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। युवाओं के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के संकल्प को मजबूत किया। पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला।

कान्हीवाड़ा में जनप्रतिनिधियों को बिना सूचना दिए आंगनबाड़ी भवन का भूमिपूजन

कान्हीवाड़ा/ जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत कान्हीवाड़ा में विकास कार्यों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रस्तावित आंगनवाड़ी भवन का भूमिपूजन जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को बिना सूचना दिए गुपचुप तरीके से किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आंगनवाड़ी भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम की जानकारी जिला पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत उपसरपंच और ग्राम पंचायत के पंचों तक को नहीं दी गई। इतना ही नहीं, ग्राम के गणमान्य नागरिकों को भी कार्यक्रम के संबंध में अवगत नहीं कराया गया। भूमिपूजन जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्य के कार्यक्रम को ही नहीं मिली जानकारी, तो पारदर्शिता पर सवाल ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका

केवलारी के पास के एक गांव का नाम अश्लील ग्रामीणों ने कलेक्टर से की नाम बदलने की मांग

विकासखंड केवलारी के अंतर्गत एक गांव का नाम ऐसा है कि उस गांव में रहने वाले लोग गांव के अश्लील नाम से इतने परेशान हो चुके हैं कि अब यहां के लोगों ने गांव का नाम बदलने के लिए जिले की कलेक्टर से गुहार लगाई है।

ग्रामवासियों ने बताया कि वे ग्राम लोलोपार तहसील केवलारी जिला सिवनी के मूल निवासी हैं जो कि हमारे गांव का यह नाम सभी शासकीय कार्यालय व राजस्व रिकर्ड में पूर्व में दर्ज है। गांव के उक्त अश्लील नाम को लेकर हमारे गांव की महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों को हमेशा शर्मिंदगी झेलना पड़ता है। कई बार गांव की महिलाओं को किसी कार्यालय, स्कूल, बैंक में किसी के द्वारा गांव का नाम पूछ जाने पर काफी शर्मिंदगी झेलना पड़ता है। कई बार लोग जानबूझकर गांव का नाम बार-बार पूछ कर शर्मिंदा करते हैं। जिससे हमें काफी मानसिक कष्ट



झेलना पड़ता है। ग्रामवासियो में मोहनिया, जग बंधन, आशीष, रश्मि, केतकीबाई, यमुनाबाई, फागुलाल, रामदास आदि ग्रामवासियों ने जिले की महिला कलेक्टर से मांग करते हुए कहा कि

हमारी विनम्र प्रार्थना है कि हमारी इस समस्या से निजात दिलाते हुए हमारे द्वारा सुझाए किसी एक नाम गांव को दिया जाए। वही ग्रामवासियों ने गांव का नाम लोलोपार बदलकर कुछ नए नाम रखने का भी सुझाव दिए हैं

गुपचुप तरीके से कार्यक्रम पर उठे सवाल



पंचायत क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों की जानकारी जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को पारदर्शी तरीके से दी जानी चाहिए, लेकिन कान्हीवाड़ा में विकास कार्यों को लेकर कथित तौर पर गुपचुप तरीके से कार्यक्रम किए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों को ही नहीं मिली जानकारी, तो पारदर्शिता पर सवाल ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका

पंचायत सदस्य से लेकर उपसरपंच और पंचों तक को भूमिपूजन की सूचना नहीं मिलने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। ग्रामीणों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर आंगनवाड़ी भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम को इतना गोपनीय क्यों रखा गया और पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई।

कान्हीवाड़ा में विकास कार्यों को लेकर बड़ रही चर्चाएं

जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत कान्हीवाड़ा में विकास कार्यों को लेकर पहले भी चर्चाएं होती रही हैं। अब आंगनवाड़ी भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को सूचना नहीं दिए जाने का मामला सामने आने के बाद पंचायत की कार्यप्रणाली और विकास कार्यों में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी लेकर यह स्पष्ट करने की मांग की है कि भूमिपूजन कार्यक्रम की सूचना पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को क्यों नहीं दी गई और कार्यक्रम किसकी जानकारी एवं अनुमति से आयोजित किया गया।

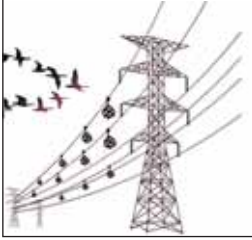
शिव नगर कॉलोनी मरझोर में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक मनाया हरछट व्रत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर से लगे शिव नगर कॉलोनी मरझोर में महिलाओं ने उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ हरछट व्रत का पूजन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने विधि-विधान से भगवान हरछट की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं संतान की दीर्घायु की कामना की। पूजन के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। धार्मिक वातावरण के बीच महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार व्रत पूजन संपन्न किया और एक-दूसरे को हरछट पर्व की शुभकामनाएं दीं।



पेंच टाइगर रिजर्व, बैनगंगा नदी एवं वन क्षेत्रों से गुजरने वाली ट्रांसमिशन लाइनों पर लगाए जा रहे बर्ड फ्लाइट डाइवर्टर, बर्ड गार्ड एवं बर्ड प्रिवेंटर

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पेंच टाइगर रिजर्व, बैनगंगा नदी क्षेत्र तथा जिले के अन्य पक्षी संवेदनशील वन क्षेत्रों से गुजरने वाली 132 केल्वी, 220 केल्वी एवं 400 केल्वी ट्रांसमिशन लाइनों पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा बर्ड फ्लाइट डाइवर्टर, बर्ड गार्ड एवं बर्ड प्रिवेंटर लगाए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में बर्डों संख्या में प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों की आवाजाही के कारण पक्षीजनित फॉल्ट, लाइन ट्रिपिंग एवं बेकडाउन की संभावना बनी रहती है। पक्षी सुरक्षा उपकरणों की स्थापना से ऐसे व्यवधानों में कमी आने के साथ ट्रांसमिशन नेटवर्क की विश्वसनीयता एवं उपलब्धता में सुधार हो रहा है। एमपी ट्रांसको द्वारा यह कार्य उन ट्रांसमिशन कॉरिडोरों में प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है जो नदियों, जलाशयों, वन क्षेत्रों तथा पक्षियों के प्रमुख उड़ान मार्गों से होकर गुजरते हैं। सिवनी जिले में पेंच टाइगर रिजर्व, बैनगंगा नदी का तटीय क्षेत्र तथा आसपास के वन क्षेत्र जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत



महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों में वर्षभर विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की उपस्थिति रहती है, जिसके कारण ट्रांसमिशन लाइनों के आसपास पक्षियों की गतिविधियां अपेक्षाकृत अधिक रहती हैं। तकनीकी रूप से बर्ड फ्लाइट डाइवर्टर ऐसे उच्च दृश्यता वाले उपकरण हैं जिन्हें ट्रांसमिशन लाइनों की ओपीजीडब्ल्यू अथवा शील्ड वायर पर स्थापित किया जाता है। ये उपकरण पक्षियों को दूर से ही ट्रांसमिशन लाइनों की उपस्थिति का संकेत देते हैं, जिससे टकराव की संभावना कम हो जाती है। वहीं बर्ड गार्ड एवं बर्ड प्रिवेंटर को टावरों, इंसुलेटर सटिंग तथा अन्य संवेदनशील

हरिभूमि न्यूज छपारा।

मंगलवार को नगर परिषद के अमले द्वारा शासन द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज पॉलीथिन को लेकर दुकानदारों के ऊपर चलायी कार्यवाही से क्रिकेताओं में हड़कंप रहा। ज्ञात हो कि मंगलवार 01 सितंबर को शाम के समय छपारा नगर के बस स्टैंड सहित अन्य आसपास के क्षेत्र में नगर परिषद सीएमओ की ता बाल्मीकि ने नगर परिषद के अमले

के साथ अचानक नगर का निरीक्षण करने पहुंचे साथ ही उनके द्वारा दुकानों में शासन द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज पॉलीथिन पाई जाने पर उनको जप्त कर दुकानदारों पर चलायी कार्यवाही करते हुए दोबारा इस्तेमाल नहीं करने सहित दुकान के बाहर कुड़ा दान रखने की बात भी कही। साथ ही अन्य सडक किनारे दुकान लगाने वाले छोटे दुकानदारों को भी समझाईश दी गई। विदित हो कि छपारा नगर के गणमान्य नागरिक

सहित बहुत से लोगों ने बताया कि बस स्टैंड से लेकर शंकर मढिया क्षेत्र तक लगने वाले सच्ची विक्रेताओं सहित दुकानदारों द्वारा दुकान से निकलने वाला रोज का कचरा सडक पर फेंक दिया जाता है जो कि दूसरे दिन झाड़ू लगने तक सडक पर ही रहता है, जिसको लेकर स्थानीय नगर परिषद द्वारा दुकानदारों को डस्टबिन रखने की सलाह दी गई किंतु इसके बाद भी दुकानदारों द्वारा कचरे को यहां

वहां फेंका जाता हैं जो कि खुद एक जिम्मेदार नागरिक की निशानी नहीं हैं, एक स्वच्छ और साफ शहर को बनाने में वहां के नागरिकों का भी योगदान होता है। बहरहाल नगर परिषद सीएमओ द्वारा मंगलवार की गई कार्यवाही से दुकानदारों में हड़कंप तो है किंतु इस तरह की कार्यवाही लगातार होने से ही व्यवस्था में सुधार नहीं बढे है अन्यथा लोग फिर उसी ढरें पर लौट आते है।

क्या सिवनी जिले के शिक्षकों को मिल पाएगा चतुर्थ समय मान वेतनमान का लाभ

सिवनी। मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के ऐसे शिक्षक जिन्होंने 1 जुलाई 2023 को 35 वर्ष की सीमाएं पूर्ण कर ली है उन्हें चतुर्थ समय मान वेतनमान प्रदान किए जाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे जिसके द्वारा आयुक्त लोक शिक्षण भोपाल द्वारा भी सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित गया था कि शिक्षकों को शीघ्र समय मान वेतनमान प्रदान किया जाए इसके लिए सिवनी जिले में तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी श्री कुमारे द्वारा आदेश प्रसारित किए गए थे किंतु लगभग चार महीने बीत जाने के बाद भी शिक्षकों के प्रकरणों की जांच जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में लंबित है और आज दिनांक तक शिक्षकों को चतुर्थ समय मान वेतनमान का लाभ प्रदान नहीं किया गया है विगत दिवस जिले के समस्त शैक्षिक संगठनों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर 5 सितंबर तक आदेश प्रसारित करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अनुरोध किया था किन्तु आज दिनांक तक आदेश प्रसारित न कर शिक्षकों के उनके वित्तीय लाभ से वंचित रखा गया है जिले के समस्त संगठन जिला शिक्षा अधिकारी महोदय से यह अनुरोध करते हैं शीघ्र समय मान वेतनमान के आदेश प्रसारित किए जाए अन्यथा जिले के समस्त शैक्षिक संगठन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष उपस्थित होकर धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की होगी जिसमें मध्य प्रदेश शिक्षक संघ मध्य प्रदेश शिक्षक कांवेस एवं जिले समस्त शैक्षिक संगठन उपस्थित रहेंगे।

अभावों को हराकर किसान की बेटी ने रचा सफलता का इतिहास, हिंदी साहित्य में हासिल की नेट-जेआरएफ

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

कहते हैं कि सपनों को पंख संसाधनों से नहीं, हौसलों से मिलते हैं. इस कथन को ग्राम बकौड़ी, जिला सिवनी निवासी किसान की बेटी रानी पगारे ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से साकार कर दिखाया है. सीमित संसाधनों और अनेक अभावों के बीच पढ़ाई जारी रखते हुए रानी ने हिंदी साहित्य विषय में यूजीसी नेट-जेआरएफ की पात्रता अर्जित कर अपने माता-पिता, गुरुजनों और पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। किसान परिवार से आने वाली रानी के लिए सफलता की यह राह आसान नहीं थी. साधारण पारिवारिक परिस्थितियों के बीच उन्होंने अपने लक्ष्य को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया. परिस्थितियां चुनौती देती रहीं, लेकिन रानी का हौसला उन्हें लगातार आगे बढ़ाता रहा. उन्होंने अभावों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाया और कठिन परिश्रम के बल पर यह



उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की. रानी के पिता राधेश्याम पगारे किसान और माँ विमला पगारे गृहिणी हैं. रानी अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपने माता-पिता को देती हैं. भावुक हृदय से कृतज्ञता जताते हुए रानी ने बताया कि हर परिस्थिति में साथ देकर माता-पिता के त्याग, धैर्य, स्नेह और आशीर्वाद ने प्रेरित किया और कठिन समय में भी आगे बढ़ने का संकल दिया।

क्या छपारा में कसेगा शराब माफियाओं पर शिकंजा ?

छपारा / सिवनी। छपारा क्षेत्र में शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। सुत्रों के हवाले से बड़ी खबर सामने आ रही है कि लाइसेंसधारी ठेकेदार अपने निजी मुण्डाने के लिए नियमों को ताक पर रखकर गांव-गांव तक अवैध शराब की सप्लाई करा रहे हैं। इन ठेकेदारों द्वारा गांव के ही कुछ युवाओं को एजेंट बनाकर घर-घर तक शराब पहुंचाई जा रही है। इसके चलते क्षेत्र के युवा तेजी से नशाखोरी के दलदल में धकेले जा रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि अब 14 साल के स्कूली बच्चे से लेकर 70 साल के बुजुर्ग तक नशे की जद में आ चुके हैं। शाम होते ही गांवों में शराब की महफिलें सजने लगती हैं, जिससे गांव का सामाजिक माहौल पूरी तरह खराब हो रहा है।

छपारा नगर के बाबों पर धड़ल्ले से अवैध बिक्री शुरू बताते हैं कि छपारा नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित दाबों और होटलों पर बिना किसी तरह के धड़ल्ले से शराब परोसी और बेची जा रही है। यहाँ केर रात तक शराब पिलाने का खेल चलता है।



पुलिस और आबकारी विभाग पर उठ रहे सवाल

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इतना सब कुछ खुलेआम हो रहा है, ऐसा नहीं है कि पुलिस महकमे को इसकी खबर नहीं है, लेकिन कोई ठोस कार्यवाई नहीं होती। आबकारी विभाग भी इस पूरे मामले में मौन साधे हुए है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान पड़ा रहे हैं।

करोड़ों का मुनाफा, जनता की बर्बादी

नशे की लत लगवाकर ये माफिया कई करोड़ों का मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि आम जन की गाढ़ी कमाई शराब में उड़इ रही है। घरों में कलह, लड़ाई-झगड़ और आर्थिक तंगी बढ़ रही है। कई परिवार तो बर्बादी की कगार पर पहुंच चुके हैं।

सस्ती शराब बेचने की नई चाल

यह भी सुनने में आ रहा है कि आपसी प्रतिस्पर्धा और ज्यादा ग्राहक बनाने के चलते महंगी बांडेड शराब को भी सस्ते दामों पर बेचा जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को, खासकर युवाओं को नशे का आदी बनाया जा सके और उन्हें अपना पक्का ग्राहक बनाया जा सके। जनता पूछ रही है - आखिर कब जायेगा प्रशासन? कब टूटेगा पुलिस, आबकारी और शराब माफियाओं का ये सजजोड़? क्या छपारा को नशा मुक्त बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाएगा?



आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की मौत मामले में आज बालाघाट बंद

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के आदिवासी इलाकों में बच्चों की मौत के मामले के बाद आदिवासी संगठनों ने कल बालाघाट बंद का आह्वान किया है। इस मुद्दे पर मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) की अलग-अलग राय सामने आई है। गुरुवार शाम दोनों संगठनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अपना रुख साफ किया।

मेडिकल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेश सोनी ने बालाघाट बंद का समर्थन करते हुए बताया कि दोपहर तक जिले की सभी दवा दुकानें बंद रहेंगी। एसोसिएशन के संभागीय उपाध्यक्ष प्रियंक वर्मा ने बच्चों की मौत के लिए स्वास्थ्य विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि नेताओं के दबाव में स्वास्थ्य कर्मचारियों के तबादले किए गए और बीमारी फैलने के बाद जुलाई में डॉक्टर्स की भर्ती की गई।

सुरेश सोनी ने सवाल उठाया कि जब छिदवाड़ा में जहरीले सिरप मामले में दुकानदार पर तुरंत कार्रवाई हुई, तो बालाघाट में अब तक जिम्मेदारी तय क्यों नहीं हुई?

दूसरी ओर, IMA के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बी.एम. शरणागत ने बच्चों की मौत पर डॉक्टर्स का बचाव किया है। उन्होंने मृतक बच्चों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि पूरा स्वास्थ्य अमला प्रशासन के निर्देशों पर ही काम करता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया बेवजह डॉक्टर्स को दोषी ठहरा रहा है, जबकि पूरा काम प्रशासन के आदेश पर होता है।

हालांकि, IMA उन डॉक्टर्स के नाम नहीं बता सका जिन पर सवाल उठ रहे हैं।

फिलहाल आदिवासी संगठन जिम्मेदारी तय करने और उन पर कार्रवाई सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप की की मांग कर रहे हैं।

अप्राकृतिक कुकृत्य मामले में रूपेश बनवाले सहित 5 आरोपियों को पुलिस ने दबोचा, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

विधि के छात्र के साथ वार्ड नं 09 गरा निवासी रूपेश बनवाले गरा चौक श्री गण गुपचुप वाला और उसके मित्र गोल्ड चौधरी निवासी मांझापुर एवं अन्य 4 युवकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पीछे लेजाकर अप्राकृतिक यौन शोषण औरलसेक्स कर रात भर बंधक बनाया। अज्ञात स्थान पर अपहरण कर ले गए, गंभीर चोटें पहुंचाते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी देकर लूटपाट की।

ज्ञात हो कि यह सभी युवक पूर्व से ही अपराधिक प्रवृत्ति के हैं इनके विरुद्ध पूर्व में दर्जनों मामले न्यायालय एवं थाना कोतवाली में पंजीकृत है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक LLM का छात्र है और लालबरा में गरीब बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता है। बालाघाट

श्री गण गुपचुप, घाट हाऊस

कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 0591/26 अंतर्गत गरा एवं मांझापुर निवासी कुल 6 युवकों के विरुद्ध अपराध पंजीकृत कर जांच में लिया है। पूर्व में भी दारू भट्टी लूट कांड में गरा निवासी रूपेश बनवाले मुख्य आरोपी रह चुका है। मामला न्यायालय में लंबित है, पूर्व में प्राइवेट प्रैक्टिशनर अस्पताल संचालक को भी जान से मारने की धमकी एवं लूटने की धमकी दे चुका है, मामला न्यायालय में लंबित है।

पीड़ित ग्राम छोटी पनबिहरी निवासी लालबरा में रहता हैं, उसने कोतवाली बालाघाट में अपने बयान दर्ज करते हुए बताया कि 31 अगस्त की शाम मेरे मोबाईल नंबर पर फोन आता है, और मुझे गरा बुलाया जाता है। तथा रूपेश बनवाले सहित अन्य 5 आरोपियों के द्वारा मेरे साथ मारपीट करते हुए अप्राकृतिक कुकृत्य करते हैं। तथा मेरे पास रखे हुए पैसे लीने छेते हैं। तथा मुझे जान से मारने की धमकी देते, तब मेरे द्वारा कोतवाली पुलिस को जानकारी दी जाती हैं। पुलिस के द्वारा उपरोक्त आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 127(2), भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 140(3), भारतीय

राजा भोज महाविद्यालय में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में सत्र 2026-27 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष तथा कटंगी-खेरलांजी विधायक श्री गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। उन्होंने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा विधायक श्री पारधी सहित उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

छात्र हित की योजनाओं का लाभ लेकर लक्ष्य की ओर बढ़ें विद्यार्थी - गौरव पारधी

श्री पारधी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश उनके जीवन की नई शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देने तथा शासन की छात्र हितैषी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन एवं परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता

मार्गदर्शन प्रदान किया।

नई शिक्षा नीति और पाठ्यक्रम की दी जानकारी

सुश्री कविता अहिगारे ने नई शिक्षा नीति एवं नवीन विषय पाठ्यक्रमों के संबंध में विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारी दी। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. कुसुमलता उडके ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए विद्यार्थी जीवन में संघर्ष, अनुशासन एवं सफलता के महत्व पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के सदस्य अनुज अग्रवाल, टेलेन्द्र बाघमारे, वैभव गुप्ता, विशाल कोठारी, डॉ. टी.पी. बिसेन एवं संदीप शर्मा सहित महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं कार्यालयीन स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मंच संचालन अधीर कुमार घोड़ेक्षेत्र ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

जल जीवन मिशन की योजनाओं का पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री ने किया निरीक्षण

ग्रामों में पेयजल व्यवस्था को लेकर प्रगतिरत कार्यों की जानी हकीकत, गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उडके ने 2 सितंबर को बिरसा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगतिरत पेयजल योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम गिडोरी, मालिया, रेलवाही एवं देवगांव पहुंचकर योजनाओं में चल रहे कार्यों की मौके पर जाकर स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री उडके ने जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता तथा ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले से योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी

प्राप्त की तथा शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल के माध्यम से पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। इसके लिए योजनाओं के निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों को नियमित रूप से पेयजल की सुविधा मिलना सुनिश्चित किया जाए। कार्यपालन यंत्री ने मैदानी अमले को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। पाइपलाइन, जलस्रोत, टंकी एवं अन्य आवश्यक संरचनाओं से संबंधित कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए तकनीकी स्थिति की जानकारी भी ली। साथ ही, जहां कहीं कार्य में आवश्यक सुधार या गति बढ़ाने की जरूरत है, वहां तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं संबंधित मैदानी अमला उपस्थित रहा।

अभद्रता, मारपीट और जेल भेजकर किया प्रताड़ित! बैहर तहसीलदार अनुराग मेरावी की दबंगई का दंश झेल रहा किसान!

हरिभूमि न्यूज बैहर।

बालाघाट जिले की बैहर तहसील आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहाँ की जनता ना सिर्फ भोली भाली है बल्कि शांतिप्रिय भी है, जिनकी सीधई का फायदा ना सिर्फ बिचौलिए दलाल उठा रहे है बल्कि जिम्मेदार अधिकारी भी अपने पद का पावर दिखाकर दबंगई पर उतर आये है, ऐसा ही मामला बैहर के ग्राम कंटंगी बाही टोला का है, जहाँ एक किसान को सडक चौड़ीकरण के नाम पर अभद्रता, मारपीट, और जेल का रास्ता भी नपवाकर प्रताड़ित भी कर रहे है।

क्या है मामला

जानकारी अनुसार बताया जाता है, की बैहर के ग्राम कंटंगी के बाही टोला निवासी के विरुद्ध सडक चौड़ीकरण को लेकर गाँव के ही लोगो ने शिकायत की , जिसपर तहसीलदार पटवारी दलबल सहित मौका स्थल पर पहुँच गए, जहाँ किसान का कहना था की आने जाने के लिए मैंने पर्याप्त रोड दे चुका हूँ,

अभी फसल के समय जबरदस्ती सडक चौड़ी करोगे तो मेरा फसल नुकसान होगा, लेकिन मौका स्थल पर पहुँचे बैहर तहसीलदार अनुराग मेरावी किसान की एक ना मानी और खड़ी फसल पर जैसीबी मशीन से मट्टी डलवा दिया और किसान से अभद्रता कर गाली गलौच करते हुवे उसके कर्मचारियो द्वारा मारा पिटा गया।

अभद्रता, गाली गलौच और दो दिन जेल ने रखवाकर किया प्रताड़ित

वैसे तो वैहर मे अनुराग मेरावी तहसीलदार के संरक्षण मे शासकीय भूमि को भूमि स्वामी बनाकर बेचने का खेल बेखौब चल रहा है, खुलेआम कालोनाइजर एक्ट का भी उलंघन किया जा रहा है, फिर भी शासन प्रशासन की नजर राजस्व अमला पर नहीं बड़ी, जिसके चलते अब किसानों से भी दबंगई करने पर उतर आये है, पीड़ित के अनुसार बताया जाता है, की सडक चौड़ी करण को लेकर मेरे द्वारा विरोध किया तो, मुझसे अभद्रता कर गाली गलौच करते हुवे, दो दिन के लिए जेल भिजवा दिया गया, और दो दिन बाद बिना जमानत के रिहा भी कर दिया गया, इस तरह बैहर तहसीलदार अनुराग मेरावी दबंगई करने से बाज नहीं आ रहे है, जो सिर्फ एक पक्ष को लाभ पहुंचाने के मंशा से बिना पूर्व नोटिस के, सडक चौड़ी करण करने पहुँच गए, कुछ लोग दबी जुबान से यह भी कहते नजर आये की यह रोड रेत माफियाओ को लाभ पहुंचाने की मंशा से चौड़ी की जा रही है, खैर मामला जो भी हो, लेकिन किसी किसान के खेत मे किसी तरह के निर्माण पर खेत मालिक को संज्ञान मे नियमानुसार लेना चाहिए था, लेकिन तत्कालीन तहसीलदार मेरावी द्वारा ऐसा नहीं किया गया।

किसान ने की से उच्चाधिकारियो कार्यवाही की मांग

किसान की भूमि से, किसान की बिना अनुमति के किसी तरह का

वादविवाद के सम्पन्न होता रहा, क्योंकि कच्वाली सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि रूह को छू लेने वाली एक खूबसूरत अध्यात्मिक अभिव्यक्ति है, इसकी मधुर धून, दमदार ताल और दिल को छू लेने वाले बोल श्रोताओं को भावविभोर कर देते है। सृष्टी परम्परा से जुड़ी कच्वाली, प्रेम, भाईचारे, ईंसानियत और ईश्वर के प्रति समर्पण का संदेश देती है। इसमें दो पक्ष बैठकर अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करते है। इसमें किसी प्रकार का नाच गाना नहीं होता। सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि कितना भी बड़ा कच्वाली का फनकार हो, कच्वाली कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान की आराधना में एक गीत प्रस्तुत करने के बाद वह दूसरा गीत मां दुर्गा की शान में पढ़ता ही पढ़ता है। कच्वाली सुनने के लिये सभी जाति धर्म के श्रोता आयोजन स्थल पर आते है। खान के अनुसार 2024 के दुर्गाउत्सव भरवेली में कुछ मुद्दी भर लोगों ने कच्वाली को मुस्लिम समाज से जोड़कर इसको साम्प्रदायिक रूप देने का प्रयास किया यह कहते हुए कि यह तो मुस्लिमों का कार्यक्रम है, दुर्गा उत्सव में क्या होना चाहिये। जबकि यह पूर्णतः निराधार मिथ्या तथ्य है। कच्वाली भारतीय संगीत की अनेक विधाओं में से एक विधा है। जो प्राचीन काल से ही चल रही है। माँयल लिमिटेड भरवेली के दुर्गा उत्सव में भी भारत के सभी ख्याति प्राप्त कच्वालोंने समय समय पर आकर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किये है। बल्कि यू कहा जाये कि दुर्गा उत्सव मेले में कच्वाली ऐसा आयोजन है जिसमें दुकानदार अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा कमाई करता है। क्योंकि यह रात भर चलेती है और जिले एवं जिले के बाहर से कच्वाली प्रेमी इसे सुनने के लिये आते है। किंतु कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक महत्वकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिये इस आयोजन को मुस्लिम समाज से जोड़कर भारतीय संविधान में सर्वधर्म समभाव का खुला उल्लंघन किया है। क्योंकि संविधान अनुसार राज्य सभी धर्मों को सामान सम्मान देगा। किसी भी धर्म के साथ भेदभाव नहीं करेगा। अनुच्छेद 14, 15, 16 यह कानून के समक्ष सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। अनुच्छेद 15 राज्य को किसी भी नागरिक के साथ केवल धर्म, जाति या लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव करने से रोकता है। पिछले साल कलेक्टर बालाघाट ने बिना सोच समझे कुछ लोगों के दबाव में माँयल प्रबंधन को पत्र लिख

दिया कि कच्वाल का आयोजन नहीं होना चाहिये क्योंकि यह मुस्लिम समाज से जुड़ा हुआ मामला है। क्योंकि उस समय किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इसलिये मामला आगे बढ़ नहीं पाया। किंतु 2026 के दुर्गा उत्सव समिति द्वारा संपूर्ण प्रोग्राम करायेगें, किंतु कच्वाली का आयोजन नहीं होगा जो सीधे रूप से संविधान द्वारा निर्धारित किये गये मापदंडों का माँयल लिमिटेड उल्लंघन कर रहा है यह साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दे रहा है। कलेक्टर के पत्र की आड में माँयल प्रबंधन अपना मुंह छिपा रहा है। जबकी दुर्गा उत्सव के आयोजन के दायरे लिये मुस्लिम कामगार कर्मचारी अधिकारी भी स्वेच्छा से अपना एक दिन का वेतन दान के रूप में दे रहे है। उन्होने कभी इस पर आपत्ति नहीं की। खान के अनुसार सरकारी उपक्रमों में इस प्रकार के हस्तक्षेप के आगे माँयल प्रबंधन का नतमस्तक होना गलत परम्परा को जन्म दे रहा है। जिससे आपसी सौहार्द भाईचारा नष्ट होगा जो संविधान का खुला उल्लंघन है। माँयल प्रबंधन अगर उस वर्ष ही कलेक्टर को संविधान के दायरे में समझा देता तो शायद एक सामान्य आयोजन विवादों का पर्याय नहीं बनता। कल को कोई संगठन यह बोलेगा कि माँयल से मुस्लिम कर्मचारियों को हटा दो तो क्या तब भी माँयल लिमिटेड ऐसा ही कदम उठायेगा। कच्वाली आयोजन को लेकर जिस तरह का व्यवहार माँयल प्रबंधन कर रहा है, यह संविधान का खुला उल्लंघन तो है कि साथ ही एक गौरवशाली परम्परा जिसका पालन लगभग 62-63 वर्षों से निरंतर किया जा रहा था। इसको गहरा आघात पहुंचाने का प्रयास किया गया है। कुछ लोगों का यह कहना है कि सभी धर्मों के मनोरंजन को ध्यान में रखकर यह आयोजन किया जा रहा है और कच्वाली को मुस्लिम से जोड़कर उसके आयोजन को बंद किया जा रहा है तो फिर प्रबंधन को एक खुला पत्र अपने कामगार कर्मचारियों व अधिकारियों के नाम से जारी करके यह पूछना चाहिये कि कच्वाली नहीं होगी अतः जो व्यक्ति अपना एक दिन का चंदा नहीं काटना चाहता वह स्वेच्छा से अपना आवेदन दे सकता है। हालांकि की माँयल की परम्परा रही है कि यह कामगार कर्मचारियों अधिकारियों को तबादले का डर दिखाकर अपनी बात मनवाता रहता है। माँयल का दुर्गा उत्सव पूरे बालाघाट जिले में कौमी एकता का बड़ा संदेश देता है जिसे मुद्दी भर अब नष्ट करना चाहते है। माँयल प्रबंधन अपने निर्णय पर पुनः विचार करें ऐसी भरवेली ही नहीं पूरे बालाघाट जिले की जनभावा है।

